सत्यमेव जयते

राजस्थान राज–पत्र साधारण	RAJASTHAN GAZETTE Ordinary
साधिकार प्रकाशित	**Published by Authority**

जिल्द 77 कार्तिक 8, गुरुवार, शाके 1947–अक्टूबर 30, 2025 अंक 31
Vol. 77 Kartika 8 , Thursday, Saka 1947–October 30, 2025 No. 31

भाग 7

विभिन्न विभागों में प्रदायों के लिए टेण्डर मांगने की सूचनाओं को सम्मिलित करते हुए सार्वजनिक और निजी विज्ञापन आदि।

शपथ–पत्र

हम श्री भरत कुमार पालीवाल पुत्र श्री मांगीलाल पालीवाल उम्र 49 वर्ष निवासी तलाई बस स्टेण्ड के पीछे उपली ओडन तहसील नाथद्वारा जिला राजसमंद (राज.), छगन लाल सुथार पुत्र श्री रामकिशन उम्र 51 वर्ष निवासी विश्वकर्मा कॉलोनी नाथद्वारा जिला राजसमंद व यशवन्त श्रीमाली पुत्र श्री लक्ष्मीलाल श्रीमाली उम्र 39 वर्ष निवासी स्कूल रोड बागल तहसील नाथद्वारा जिला राजसमंद (राज.) ने मिलकर एक भागीदार फर्म मेसर्स कृष्णा ग्रेनाईट गांव उपली ओडन तहसील नाथद्वारा जिला राजसमंद रजि. नम्बर RF/RSD/2024/3983 बना रखी है जिसमें हम शपथपूर्वक घोषणा करते हैं किः–

1. इस भागीदारी फर्म के भागीदार श्री यशवन्त श्रीमाली पुत्र श्री लक्ष्मीलाल श्रीमाली निवासी स्कूल रोड बागोल तहसील नाथद्वारा जिला राजसमंद ने दिनांक 07.08.2025 को उक्त फर्म से अपनी भागीदारी पृथक कर ली है।
2. यह कि निकलने वाले भागीदार ने फर्म का सम्पूर्ण हिसाब किताब समझ कर अपना हिस्सा प्राप्त कर लिया है।
3. यह कि श्री प्रदीप पालीवाल पुत्र श्री मदनलाल पालीवाल निवासी ब्रम्हपुरी उपली ओडन तहसील नाथद्वारा जिला राजसमंद (राज.) उक्त भागीदारी में प्रवष्टि हुए हैं।
4. अतः अब श्री यशवन्त श्रीमाली पुत्र श्री लक्ष्मीलाल श्रीमाली की मेसर्स कृष्णा ग्रेनाईट में भागीदारी नहीं है।
5. हम समस्त भागीदार उक्त सूचना को राजपत्र में प्रकाशित करने हेतु सहमत हैं।

छगन लाल सुथार भरत कुमार पालीवाल यशवन्त श्रीमाली
हस्ताक्षर समस्त भागीदार (निरन्तर एवं निवृत्त)

सत्यापन

उपरोक्त बिन्दु संख्या 1 से 5 तक प्रदर्शित हमारी अधिकतम जानकारी पूर्णतः सत्य एवं सही है एवं कोई भी तथ्य हमारे द्वारा छुपाये नहीं गये हैं।

छगन लाल सुथार भरत कुमार पालीवाल यशवन्त श्रीमाली
हस्ताक्षर समस्त भागीदार (निरन्तर एवं निवृत्त)

शपथग्रहिता ने सशपथ मेरे समक्ष
सही होना स्वीकार कर अपने हस्ताक्षर/निशानी
अगुंस्त किये।
कैलाशचन्द्र बोल्या
07.08.2025
नोटेरी, राजसमन्द।
17887

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।